## Light rain, thunder strike Capital

| HT Correspondent |  |
| :---: | :---: |
| htreporters @ hindustantin |  |
|  |  |
| NEW DELHI: Delhi residents onThursday woke up to light rain, |  |
| followed by thunderstorm and |  |
| strong winds in parts of the |  |
| proved a blessing as they helped |  |
| reduce the pollution levels. India Meteorological Depart- |  |
| ment (IMD) recordings showthat the Safdarjung weather sta- |  |
|  |  |
| that the Safdarjung weather station, which is considered the | tion, which is considered the official marker for the city |
| received 0.5 mm of rain till | Parts of the national capital received light rain, followed |
| 5.30pm Thursday. The Palamobservatory received 2.6 mm thunderstorm and strong winds on Thursday. |  |
|  |  |
| rain, while Lodi Road received | rain, many parts also saw thun- the region. At the Safdarjung |
| 0.1 mm till 5.30 pm . <br> Kuldeep Srivastava, head of | derstorms in the evening. He observatory, the minimum temsaid under the influence of a perature on Thursday was 12.4 |
| IMD's regional weather foreca | passing western disturbance, the degrees Celsius, which was four |
| ing centre, said apart from light | temperatures also increased in degrees above the season's nor- |



## MCDS SIPHONED

 MONEY MEANT FOR PAYING STAFF SALARIES: AAP New Dell: The Aam AadmiParty (AAP) on Thursday


 municipal orporations
hast monthby biepedili govern ment topay salaries oe omploy. tionsas arascless



 own leaders. While the BJP
leaders are claiming that they did dot receive any money, bank
statements show otherwise statements show otherwise,
said the AAP's in charge of municipal affairs Durgesh Pathak.
Delhi BJP spokesperson Pra Delhi BJP spokesperson Prav-
een Shankar Kapoor said, een Shankar Kapoor said, Delhi government thas not tiven
the MCDs ₹1,095 crore. They have given the MCDs $₹ 438$ crore for salaries and ₹ 463 crore for
expenses under other heads expenses under other heads
related to health and education.
Such blatant lies will affect thei Such blatant lies will affect thei
prospects in the 2022 municipa
polls in

Delhiwalle
EXPERIENCE YOUR CITY LIKE NEVER BEFORE
usten So


Thela, as his biography

Glimpsing into Veeru Bhai's work life
$\left\{\right.$ PRIVATE $\left\{\begin{array}{l}\text { Carts are regular sights in this city of } \\ \text { street hawkers. Usually they are but } \\ \text { broad plank of wood plonked over fou }\end{array}\right.$ $\{$ CAPITAL $\} \begin{aligned} & \text { street hawkers. Usually they are but } \\ & \text { broad plank of wood plonked over fou } \\ & \text { wheels. But Veeru Bhai's fruit cart-o }\end{aligned}$ hela, as he calls it-is different. Yes it is of wood
nd wheels, but it is much smaller than the common variety, and looks like one of those trolley "I made this cart on my own," says Veeru Bhai This afternoon he in going about a central Delhi
street with his cart decked ap with fruit sald each street with his cart decked up with fruit salad, each
disposable bowl containing sliced pieces of kiwis, strawberries and dragon fruit. A native of Allahabad in UP, Veeru Bhai, 53, has
been wheeling about Delhi's streets with his fruity offerings for decades. In fact, this cart is an important part of his biography. He made it in 1994, the year he arrived in the city. The cart looks its age the tires are weary and almost flat. "They still work
after all these years," Veeru Bhai declares defen-
sively. In a way, this shabby-looking cart is the map
$\qquad$

Market near Angoori Bagh. Hed bought the Petires
tom the Cycle Market in Chandni Chowk - which
fact is a popular place to buy and repair cycle
rickshaws. "Tbuought the thails and bolts to patch the cart together from the cycle market too," he
adds. Veeru Bhai brought itall together into a thela at his home in Ch
in two days flat.
 he says it's a "tehkhana where I keep the certra Yet, it is true that this cart is not exclusive to Veeru Bhai, and that quite a few other fruit hawkrrs roam around with carts thus designed. The
fruit salad seller agrees graciously, clarifying that none of these carts is mass produced. "Hawkers either make them themselves, like I did, or they get
it made from people who know how to make it somebody like me." Indeed, he charges ₹1,200 for making such
cart. That his skill in this craft is outstanding is viscart. That his skill in this craft is outstanding is visi-
ble from his own work tool. In a time when everything comes with an expiry date, "my old thela is
still going on," he says, pushing the cart ahead


## Growing Exponentially Power with Profits!!

एनी पी पी ही
NTPC



ऐेलकंग्री बोले, पहले राजनीतिक काटणों से होती थी घोषणाएं, अब बदल गाए तौर तरीके

## रेल परियोजनाओं को भारी अरकम बजट आवंटन

## टेलवे को ििलाबजट आत्मनिर्णा आारत की दियागेंबड़ाकदनः:गोयल

पहला

## नई दिल्ली| विशेष संवादcाता

रेल मंत्री पीयूप गोयल ने रेल मंत्रालय के बजट को आम्मनिर्भा भारत के
दिशा में बड़ो कदम बताया है। उन्होंने कहा, प्राथमिकता तय करना, उसके
बाद संसाधन नुर्या कराना और फिर तेज गति से काम पूरा करना रलवे का
मूल प्रबंधन मेत्र होगा गोयल ने ाराफ किया कि पहले राजनीतिक कारणों से रेलवे के फैसले लिए जाते थे, जिससे
परियेजनाएं न केव म महंगी हो जाती की भी रहती थी। सालों साल बजलट से रेलवे मजबतत हहगा : आम बजट के बाद
पत्रकरों से वर्चुअल माध्यम से चर्चा करत हैए रेल मंग्रो ने इस साल के आम
बजर में रेलवे की मिले अव तक के सबसे बड़े आवंटन का उल्लेख किया
और कहा कि यह रेलवे में व्यापक


बदलावके लिए एत्रेरक का का करेगा और देश की अअ्थव्यवस्था को नए पंख
लगाएगा बजटसेलवे फ़ास्त्या पजबती देने का कम दूना है।


 से अपन्न ब्षमतामें।
रेल मंम्रो पीयूपषोगल ने इस बात को द्रोहराया कि रेतवे में 2023 तक सभी
ब्रोडोजलाइस वाद्यतीकरण का का पूरा हो जाएगा और 2030 तक
काब्नेरिवहन शुरू हो जाए।

## एवापटाएगई क साथ विश्वाहातात: हाहुल

नियाित रेल सेवा और नई समय साटिणी जल्द


रेलवेफोकस्डवेकाम कर रही
 पहले रेलवे में राजनीतिकरण ज्यादा था। सुप्रिक्यिया गया है। यहां जमीन उपलब्ध है। नईट्रेनों की घोषणा व अन्य परियोजनाओं
को लेकर राजनीतिक फैसले दिए को लेकर राजनीतिक फैसले दिए जाते
थे। संबंधित मंगीरी जिए गजज्य पे होता थेसंबधित मत्र्र जिस राज्य से होता था
वहां के लिए घोषणाएं ज्यादा होती थी। वहां के लिए घोषणाएं ज्यादा होती थी।
भले ही जमीन की उपलब्धता न हो, संसाधन न हो। इससे रेलवे को काफी नुकसान हुआ। कई परियोजनाएं पूरी ही जाती थी। अबरेलवे फोकस्ड वे में जहां जमीन उपलब्ध है और जो क्रिटिकल तक पूरा कर लिया जाएगा।


| रेल बजट के आम बजट के साथ विलय के बाद इस साल रेल मंत्रालय को मिले आवंटन में उत्तर प्रदेश को अपने राज्य में विभिन्न परियोजनाओं के लिए 12696 करोड़ रुपये मिले हैं। पिछली संप्रग सरकार 2009-14 के पांच साल की तुलना में यह एक साल का आवंटन |
| :---: |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |

डिजिटल मुहिन के बाद मी कैथ सर्कुलेशन नहीं घटा



तुलनात्मक अ ज्वाद है। हालांकि इस तुलनात्मक अवधि में सबसे ज्यादा
2270 फीसदी आवंटन उत्तराखंड को मिला है। बिहार को 355 फीसद, दिल्ली को 223 फीसदी, वझारखंड को 793
फीसदी ज्यादा आवंटन मिला है। फीसदी ज्यादा आवंटन मिला है।
कई गुना ज्यादा है बजट : रेल मंत्रालय ने आम बजट 2020-21 के
बजट में मिले आवंटन का ब्यौरादेते हुए कहा है कि इस साल रेल मंत्रालय को जो बजट दिया गया है वह संप्रग दो सरकार
(2009-14) के पांच सालों से कई गुना ज्यादा है। रेले मंंत्रालय ने हर राज्य

|  |  |
| :---: | :---: |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |

## MINDA INDUSTRIES LTD.

REGD. OFFICE: B-64/1, Wazirpur Industrial Area, Delhi-110052 CORP. OFFICE: Village Nawada Fatehpur, P.O. Sikandarpur Badda, Near IMT Manesar, Gurgaon (Haryana) -122004

UNO MINDA Ph: 011-49373931, 0124-2290427 Fax: 0124-2290676 CIN: L74899DL1992PLC050333

EXTRAGTS OF THE STANDALONE AND CONSOLDATED UN-AUDITED FINANGILL RESULTS FOR THE QUARTER AND NINE MONTHS ENDED ON 31 DEGEMBER, 2020

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Consolidated |  |  |  | Pafticulars | Standalone |  |  |  |
| Ouatere fined |  | Wine Monts Enead |  |  | Ouatere Fined |  | Wine Monts S Sneed |  |
|  |  |  |  |  |  | 为 |  |  |
| 8801.62 | ${ }^{132884}$ | ${ }^{368377}$ | ${ }^{4126.17}$ | 1 Toal licoment fon opeations | ${ }^{1081.95}$ | 78.70 | 281.07 |  |
| ${ }^{12278}$ | ${ }^{7902}$ | ${ }^{13988}$ | ${ }^{24.28}$ |  | ${ }^{80.92}$ | ${ }^{40.18}$ | 95.79 |  |
| 12278 | ${ }^{73,35}$ | 13988 | 239.11 |  | 80.92 | 35.1 | 95.79 |  |
| ${ }^{12983}$ | 5 54,4 | 89.18 | ${ }^{17487}$ |  | ${ }^{61.40}$ | 26.27 | ${ }^{22,58}$ |  |
| ${ }^{1333}$ | ${ }^{5414}$ | ${ }^{5528}$ | 71.43 | 5 Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit/(Loss) for the period (after tax) and other Comprehensive Income (after tax)] | ${ }^{60.0}$ | 26.9 | 6825 | ${ }_{986} 96$ |
| ${ }^{54,39}$ | 524 | 5439 | 524 |  | 54.39 | ${ }_{524}$ | ${ }_{54,39}$ | ${ }_{5}^{524}$ |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 4.07 | ${ }^{1.70}$ | ${ }^{266}$ |  | a) Rasal ( M RS) | 231 |  |  |  |
| 4.07 | 1.70 | 266 | 5.61 | b) Dilued (fn P ) | 231 | 1.00 | 273 | ${ }_{387}$ |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Folous on: |  |  |  |  |  |  |  |  |

## SWEATSHRTI Jackets \& Sweaters

 SALEWINTEROFFER



मंग्री समृह जे ई गावर्नेंस, ई-शिसा पर रिपोर्ट सौंी
 गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अध्यक्षता
वाले एक मंत्रिसमूह (जीओएम) ने पहुंच बढ़ाने के प्रयासों के तहत एक सार्वभौमिक राष्ट्रीय सामाजिक प्रोफाइल
के निम्माण की सिफारिश की है। संमद को यह जानकारी गुरुवार को दी गई।
इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य लिखित उत्तर में कहा कि मंत्रिसमूह आंतम रिपोर्ट सौंप दी है। जिसमें भारत में इ-गवनेस और ई-शिक्षा की पहुंच
बढ़ाने के लिए विभिन्न कदमों के बारे में सिफारिश की है। मंत्री संजय धोत्रे ने
यह भी कहा कि मंत्रिम यह भी कहा कि मंत्रिसमूह की
सिफारिशोंमेंसे एक सार्वभैमि सामाजिक प्रोफाइल रिश भी है। (एजेंसी)

मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने पर चर्चा होगी


## निशाना

 भला किया गया और ऐसा करना कौनसी
देशभक्ति है उन्होंने कहा था कि हमारे देशभक्ति ? उन्होंने कहा था कि हमारे
जवानों की प्रतिबद्धता $100 \%$ है और
ऐसे में सरकार की प्रतिबद्धता थी ऐसे में सरकार की प्रतिबद्धता भी 110
फीसदी होनी चाहिए। जो भी हमरेजवानों को चाहिए, वो उन्हें मिलना चाहिए। ये
कौनसीदेशभक्त है कि सेना को पेसेनीं कौन सी देशभर्ति है कि सेना को पैसे नहीं
दिए जा रहे हैं। बतादें कि संसद में पेश दिए जा रहे हैं। बतादें कि संसद में पेश
आम बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए 4.78 आम बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए 4.78
लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिसमें पेंशन भिगतान का परिव्वय भी
शामिल है। पिछले वर्ष यह राशि 4.71 शामिल है। पिछले वर्ष यह राशि 4

| कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बजट को लेकर गुरुवार को केंद्र सर कार | - बैंक महाप्रबंधक ने 27 मार्च को दर्ज कराई थी शिकायत |
| :---: | :---: |
| पर फिर निशाना साधा और आरोप लगाया | - शहर और बाहरी इलाके में कई |
| इस बजट में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम | जगह पर छापेमारी की गई |
| उद्यमों (एमएसएमई) के साथ |  |
| विश्वासघात किया गया है। <br> राहुल ने ट्वीट कर कहा, प्रधानमंत्री | भला किया गया और ऐसा करना कौनसी देशभक्ति है ? उन्होंने कहा था कि हमारे |
| मोदी का पूंजीपति केंद्रित बजट का | जवानों की प्रतिबद्धता $100 \%$ है और |
| मतलब यह है कि संघर्ष कर रहे | ऐसे में सरकार की प्रतिबद्धता भी 110 |
| एमएसएमई को कम ब्याज पर कर्ज नहीं | फीसदी होनी चाहिए।जो भी हमारेजवानों |
| मिलेगा और जीएसटी में रहत भी नहीं दी | को चाहिए, वो उन्हें मिलना चाहिए। ये |
| जाएगी। भारत में सबसे ज्यादा लोगों को | कौनसी देशभक्तिहै कि सेना को ैसे नहीं |
| रोजगार देने वाले क्षेत्र एमएसएमई के | दिए जा रहे हैं। बतादें कि संसद में पेश |
| साथविश्वासघात हुआहै। रहुल ने इससे | आम बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए 4.78 |
| पहले आम बजट को एक फीसदी लोगों | लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है, |
| का बजट करार दिया था और सवाल | जिसमें पेंशन भुगतान का परिव्यय भी |
| या था कि रक्षा खच में भारो-भरकम | शामिल है। पिछले वर्ष यह राशि 4.71 |
| तररी नहीं करके देश का कौन | लाख करोड़ रुपये थी। | E-mail investor@mindagroup com Website: www,unominda.com

 - PUNCHKUIAN ROAD,Garwal Bhawan, (Near Jhandewalan, Gole Chkr.) - JANAKPURI B-1/2, Main Najafgarh Road, 0pp. Metro Pillar 543 JANAKPURI B-1/2, Main Najafgarh Road,0pp. Metro Pillar 54


## भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड

असीमित सीमाएं....
अनवरत प्रतिबद्धताएं

31 दिसम्बर, 2020 को समाप्त तिमाही एवं नौमाही के लिए अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का सारांश

31 दिसम्बर, 2020 को समाप्त तिमाही एवं नौमाही के लिए कंपनी के एकल एवं समेकित वित्तीय परिणामों की समीक्षा लेखापरीक्षा समिति द्वारा की गई है और 04 फरवरी, 2021 को आयोजित अपनी (ि)
टिप्पणीः उपरोक्त परिणाम, सेबी (सुचीयन एवं अन्य प्रकटन आवश्यकताएं) 2015 के विनियम 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंजों में दाखिल किए गए 31 दिसम्बर, 2020 को समाप्त तिमाही एवं नौमाही के
लिए वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रूरूप का सारांश हैं। तिमाही एवं नौमाही वित्तीय परिणामों का प्रा प्रारूप स्टॉक एक्सचेंजों की वेबसाइट

